Privatisation of Telecom Sector

*289. SHRI ANANT RAM JAISWAL,; Will the Minister of COMMUNICATION be pleased to state:

(a) whether Government have taken a decision to partially privatise the Telecom Sector;

(b) if so, what is the purpose thereof;

(c) whether it is a fact that this change is being pushed through at the behest of the World Bank; and

(d) whether Government are taking other measures also to change the existing telecom system, if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) Yes Sir, Government have thrown open provision of value added services and manufacture of telecom equipment to the private sector.

(b) This has been done to achieve acceleration of the telecom development in the country.

(c) No, Sir.

(d) Yes, Sir. Government are taking measures such as modernisation of telecom network through induction
[1] of new technology; introduction of new services and rapid expansion of the urban and rural telephone systems to meet the growing demand.

अखबारी कागज का आयात

*290. श्रीमती सुषमा स्वराज :
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 4 दिसम्बर, 1992 के आब्जरवर में "एडहॉक न्यूजप्रिंट इम्पोर्ट लीड्स टू रूपीज 17.5 करोड़ अनसोल्ड स्टॉक" शीर्षक से प्रकाशित हुए समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या यह सच है कि वर्ष 1992 के अंतिम चरण में भारी मात्रा में अखबारी कागज का आयात किया गया था;

(ग) यदि हां, तो कितनी मात्रा में अखबारी कागज का आयात किया गया था और क्या इसके कारण देश के अखबारी कागज उद्योग में माल के निपटान की समस्या उत्पन्न हो गयी है;

(घ) क्या सरकार ने इस समस्या का समाधान करने के लिए कोई कदम उठाये हैं; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या क रण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) :

(क) जी, हां।

(ख) से (ङ) 1 अप्रैल, 1992 से प्रभावी नई वितरणीकरण व्यवस्था के अंतर्गत अखबारी कागज का आयात, अखबारी कागज के आयात से संबंधित वाणिज्य मंत्रालय द्वारा 31.3.1992 को जारी की गई आम सूचना से विनियमित होता है। उक्त आम सूचना में दी गई शर्त के अनुसार अखबारी कागज का आयात 1:2 के अनुपात में किया जाना होता है, अर्थात् समाचारपत्रों द्वारा खरीदे गए स्वदेशी तौर पर उत्पादित प्रत्येक दो मीट्रिक टन अखबारी कागज के लिए वे एक मीट्रिक टन मानक अखबारी कागज के आयात के हकदार होंगे। आयात के यथार्थ आंकड़े 31 मार्च, 1993 के पश्चात् उपलब्ध होंगे क्योंकि उस समय सभी समाचार पत्र अपने-अपने विवरण भेजते हैं।